

नन पेशेवरों की सेवाओं का उपयोग

UTILIZATION OF THE SERVICES OF NONPROFESSIONALS

असल कुछ ऐसे व्यक्तियों की सेवाओं का उपयोग सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में किया जा रहा है जो औपचारिक रूप से प्रशिक्षित नहीं होते हैं। इनकी सेवाओं की खोज दी जाती है। ऐसे नन पेशेवरों में प्रायः स्कूल कालेज के छात्र शिक्षक परिपक्व महिला या अन्य व्यक्त लोग जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई प्रशिक्षण या डिग्री प्राप्त नहीं होती है शामिल करते जाते हैं। ऐसे लोगों की सेवाएँ किसी अस्पताल उपचार केंद्र सामुदायिक मानसिक कार्यक्रम स्कूल घर या देखभाल सह शाला आदी में प्राप्त की जा सकती हैं। जिसके बदले इनकी प्रशिक्षण किया जाता है जो सभी नही या सभी आंशिक प्रशिक्षण किया जाता है।

सामुदायिक मनोवैज्ञानिकों ने नन पेशेवरों की सेवाओं के प्रयोग एक उच्च कुशल सामान्य प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर कई कारणों से बल डाला जिन्हें चार कारण काफी महत्वपूर्ण हैं -
कार्य कर्ता की संख्या में वृद्धि - Increase in the numbers of workers - यह प्रतीतना सत्य है कि नन पेशेवरों की उपस्थिति से मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम कार्य कर्ताओं की संख्या में वृद्धि हो जाती है जिससे पेशेवरों को अपने कार्य में काफी सहायता मिलती है। नन पेशेवर पेशेवरों के सहायक के रूप में कार्य करते हैं (पेशेवर) अधिक से अधिक रोगियों को देखने हेतु समय निकालने में सहायता करते हैं जिस कारण नन पेशेवरों की सेवाओं की पेशेवर द्वारा काफी महत्त्व दिया जाता है।

2. कार्य कर्ताओं की सहायक गुण - Unpaid qualities of workers - सामुदायिक मनोवैज्ञानिकों का मत है कि

नन पेशेवरीं खाए स्वास्थ्य कामे उद्योगों में एउ गतिशीलता आ जारी है जिसकाए इनकी सेवाओं से लदेव उन्चित ढहराया जारा है। एके में मनोवैज्ञानिकों का मत है कि निम्न वर्ग के लोगो आ अल्प-संख्यक समुदाय के व्यक्तियों को इनके बरों में जाके अपनी सेवा प्रदान करने में पेशेवर हिचकिचाये है जबकि ननपेशेवरीं से एके रोजिजों के घर जाके भी सेवा देने में कोई हिचकिचाहर नहीं होती है। कमी-कमी आँषध व्यसनी अपराधी आ मानसिक रोजिजों जो अपने-अपने क्षेत्र से समस्याओं से शरी तरह अलग रहते है की भी योग बहुत परिमित कर इनकी सेवाए ननपेशेवरीं के रूप में ली जा सकती है। आ सामुदायिक मानसिक स्वस्थ कार्यक्रमों को उन्तर बनाया जा सकरा है।

3. कामे करीजों का मनोवैज्ञानिक बंध बर्हन - Psychological growth and competence of the workers -
जब ननपेशेवरीं का उपयोग सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कामे करीजों के रूप में करते है तो उनमें आत्म विश्वास तथा विशिष्टता के साथ विकसित हो जारी है जिससे उनका मनोवैज्ञानिक बर्हन लो होगा ही है साथ में सामर्थता भी बढ़ जारी है। अहररह जब ये इधरे की मदद करते है तो एउ तरह से अपने आप को समझते है आ मदद करते है। जैसे एउ शिशु छात्रों को पढ़ते समय स्वयं भी बहुत सी चीजों से सीखता है।

4. पेशेवर जीविका में नियुक्ति - Recruitment into professional careers - नन पेशेवरीं को जब मानसिक स्वास्थ्य कामे उद्योग में शामिल किया

जाता है जो उन्हे मानसिक स्वास्थ्य के कार्टे में कहुत कुछ सीखने का पाँचा मिलता है। और वे उन क्षेत्र में अपनी अभीरूपी और अधिकतर ही जांच करके अपने आपसे गैरकने में सामर्थ्य हो हो पाते हैं। एली अनुप्रतियों से उनके कुछ विशिष्टता आ जाती है जिसे आकार पर उन्हे काफ में यदि वे अपनी जीविका एउ पेशेवा के रूप में शुरुत करना चाहते हैं तो काफी सुविधा होली है।

इतपकार स्वच्छ हो जाता है कि कई राज्यों में मनोवैज्ञानिकों ने अपनी सेवाओं को सुविधसंगत ढहराया। किउ अब जउन यह उठता है कि एले ननपेशेवतों का सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में क्या योगदान होता है। सामुदायिक मनोवैज्ञानिकों ने एले ननपेशेवतों द्वारा विद्यमान वाले योगदानों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में कोटा है —

1

ननपेशेवा पेशेवा के मुख्य कार्यों में लक्ष्यता प्रदान करते हैं जैसे - यदि रोगी पर कोई मनोवैज्ञानिक परीक्षण का डिआनबन किया जाता है तो एत कार्र हो अक्षानी से ननपेशेवा कर देते हैं और तब उनसे प्राप्त कांछों की व्याख्या पेशेवा अपने ढंग से करते हैं। इत प्रकार ले एउ पेशेवा को ननपेशेवा से काफी लक्ष्यता मिल जाती है।

2.

ननपेशेवा पेशेवा के कार्यों में एउ दनिष्ठ सहायक के रूप में भी कार्य करते हैं जैसे - पेशेवा जब अस्पताल में आ मानसिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जाते हैं तो ननपेशेवा भी उनके साथ जाकर पेशेवतों की ही कार्यों में

शास्त्रीय रूप से मस्यरा प्रधान करते हैं।

3.

नव पेथेक आपने विशेष व्यवहार अनुभवों के कारण सभी सभी मानचिकित्सक का भी काम बहुत ही सफल ढंग से कर देते हैं। इस प्रकार हमें हो जाता है कि नव पेथेक का सामुदायिक मानसिक कार्यक्रम ही काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

~~1/1/2020~~
04/05/2020